S-256

Total Pages : 4 Roll No. .....

BASL-302

वेद एवं उपनिषद

Bachelor of Arts (BA)

3rd Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं 03 मन्त्रों का हिन्दी में भावार्थ लिखिए :

(क) अग्निर्होता कविक्रतुः सत्यश्चित्र।

श्रवस्तमः देवो देवेभिरागमत्।।

(ख) यस्य मधुना पूर्णा त्री अक्षीयमाणा स्वधया मदन्ति।

य उ त्रिधातु पृथिवीमुत द्यामेको दाधार भुवनानि विश्वा।।

(ग) प्रावेपा मा बृहतो मादयन्ति

प्रवातेजा इरिणे वर्वृतानाः।

सोमस्येव मौजवतस्य भक्षो

विभीदको जागृविर्मह्यचम्दान्।।

(घ) येन कर्माण्यपसो मनीषिणो यज्ञे कृण्वन्ति विदथेषु धीराः।

यत्पूर्व यक्षमन्तः प्रजानां तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु।।

(ङ) द्यावा चिदस्मै पृथिवी नेमते शुष्माच्चिदस्य पर्वता भयन्ते।

यः सोमपा निचितो बज्रबाहुर्यो बज्रहस्तः स जनास इन्द्रः।।

2. निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं 02 मन्त्रों का हिन्दी में भावार्थ लिखिए :

(क) न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्यो

लप्स्यामहे वित्तमद्राक्ष्म चेत्वा।

जीविष्यामो यावदीशिष्यसि त्वं

वरस्तु मे वरणीयः स एवा।।

(ख) सर्वे वेदाः यत्पदमामनन्ति

तपांसि सर्वाणि च यद्वदन्ति।

यदिच्छन्तो ब्रह्मचर्यं चरन्ति

तत्ते पदं संग्रहेण ब्रवीम्योमित्येतत्।।

(ग) नायमात्मा प्रवचनेन लभ्यो

न मेधया न बहुना श्रुतेन।

यमेवैष वृणुते तेन लक्ष्य

स्तस्यैष आत्मा विवृणुते तंन्स्वाम।।

(घ) विज्ञानसारथिर्यस्तु मनः प्रग्रध्वान्नरः।

सोऽध्वनः पारमाप्नोति तद्विष्णो परमं पदम्।।

3. वैदकि देवताओं का वर्गीकरण कीजिए।

अथवा

सायण के वेद भाष्यों पर प्रकाश डालिए।

4. वेदांगों का परिचय देते हुए उनके सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए।

अथवा

वैदिक व्याकरण का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

5. वृहदारण्यकोपनिषद् के प्रमुख विषयों का निरूपण कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. ऋग्वेद के देवताओं के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

2. यजुर्वेद कालीन समाज की परम्पराओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

यजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा के भाष्यकार महीधर की भाष्य शैली का वर्णन कीजिए।

3. सामवेद की शाखाओं का वर्णन कीजिए।

4. अर्थर्ववेद की त्रिविध परम्परा का वर्णन कीजिए।

अथवा

अर्थर्ववेद की यातायात व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।

5. यम नचिकेता के संवाद से प्राप्त शिक्षा पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

6. छान्दोग्योपनिषद् के दार्शनिक तत्त्व का निरूपण कीजिए।

7. उपनिषदों के अनुसार पुनर्जन्म एवं कर्म सिद्धान्त को प्रतिपादित कीजिए।

8. वैदिक व्याकरण के अनुसार उदात्त, अनुदात्त, स्वरित एवं ह्रस्व, दीर्घ, प्लुत भेदों को स्पष्ट कीजिए।